

# 中华野史



# 中华野史

(卷三)

先秦至唐朝卷 (下)



三秦出版社



## 目 录

## 卷三、先秦至唐朝卷（下）

|                 |        |
|-----------------|--------|
| 天下一统隋文帝 .....   | (1781) |
| 隋文帝夺位秘谋内幕 ..... | (1781) |
| 隋文帝宫廷生活秘闻 ..... | (1785) |
| 隋文帝宫廷斗争秘闻 ..... | (1792) |
| 穷奢极欲隋炀帝 .....   | (1798) |
| 大营苑囿 .....      | (1798) |
| 大闹龙舟 .....      | (1798) |
| 毙毛投地 .....      | (1799) |
| 帐里赋诗 .....      | (1799) |
| 私通妃子 .....      | (1799) |
| 格杀弗论 .....      | (1800) |
| 美女供献 .....      | (1800) |
| 将士得妻 .....      | (1800) |
| 溥海同怨 .....      | (1800) |
| 迷楼记 .....       | (1801) |
| 炀帝海山记 .....     | (1804) |
| 开河记 .....       | (1814) |
| 大业拾遗记 .....     | (1816) |
| 唐高祖秘闻 .....     | (1821) |
| 体有三乳 .....      | (1821) |
| 兄弟阋墙 .....      | (1821) |
| 贤良君主唐太宗 .....   | (1824) |
| 临别赠言 .....      | (1824) |
| 洛阳话旧 .....      | (1824) |
| 庸懦无为唐肃宗 .....   | (1826) |
| 五不可留 .....      | (1826) |
| 易地为宜 .....      | (1827) |



|                 |        |
|-----------------|--------|
| 重见太上 .....      | (1827) |
| 辅国专横 .....      | (1828) |
| 唐德宗宫廷内幕 .....   | (1829) |
| 假冒太后 .....      | (1829) |
| 父子如初 .....      | (1829) |
| 借吉成婚 .....      | (1830) |
| 劫夺民物 .....      | (1831) |
| 唐代宗秘事 .....     | (1832) |
| 驸马打金枝秘闻 .....   | (1832) |
| 宫廷斗争秘闻 .....    | (1834) |
| 代宗与太后 .....     | (1841) |
| 宗教狂唐宪宗 .....    | (1843) |
| 宪宗宫廷生活秘闻 .....  | (1843) |
| 宪宗宫廷斗争内幕 .....  | (1845) |
| 宪宗与太后秘闻 .....   | (1849) |
| 孱弱昏君唐穆宗 .....   | (1851) |
| 剃发为僧 .....      | (1851) |
| 病于打球 .....      | (1851) |
| 太后撕诏书 .....     | (1851) |
| 荒淫无度 .....      | (1852) |
| 贞献皇后萧氏秘闻 .....  | (1853) |
| 死于游戏的唐敬宗 .....  | (1856) |
| 以死进言 .....      | (1856) |
| 六句箴 .....       | (1856) |
| 骊山有什么罪 .....    | (1856) |
| 死于游戏 .....      | (1857) |
| 敬宗皇帝荒淫大揭秘 ..... | (1857) |
| 贪玩荒政秘闻 .....    | (1859) |
| 女皇武则天秘史 .....   | (1861) |
| 初献狐媚 .....      | (1861) |
| 攫取后位始末 .....    | (1863) |
| 独揽大权，自立为帝 ..... | (1866) |
| 荒淫无度的奇闻 .....   | (1868) |
| 大兴佛寺内幕 .....    | (1871) |
| 武则天宫廷秘闻 .....   | (1872) |
| 抑佛崇道唐武宗 .....   | (1875) |
| 武宗宫廷斗争秘闻 .....  | (1875) |
| 壮志难酬唐文宗 .....   | (1878) |
| 宦官专权内幕 .....    | (1878) |



|                 |        |
|-----------------|--------|
| 太子暴死 .....      | (1879) |
| 说起来就伤心 .....    | (1879) |
| 血洗大明官始末 .....   | (1880) |
| 勤于政事的后唐明宗 ..... | (1884) |
| 焚珠碎玉 .....      | (1884) |
| 信任谗佞 .....      | (1884) |
| 空中神语 .....      | (1885) |
| 望梅止渴 .....      | (1885) |
| 妙舞清歌 .....      | (1886) |
| 生离死别 .....      | (1887) |
| 姊妹联吟 .....      | (1887) |
| 花容憔悴 .....      | (1888) |
| 未免有情 .....      | (1889) |
| 后唐明宗秘闻 .....    | (1891) |
| 节俭为政 .....      | (1891) |
| 须知农家之苦 .....    | (1892) |
| 请妹代做皇后揭秘 .....  | (1893) |
| 卧病哀声 .....      | (1893) |
| 方士惑主揭秘 .....    | (1894) |

## 后 妃 隐 密

|                      |        |
|----------------------|--------|
| 赵太后隐密 .....          | (1898) |
| 从歌伎到太后 .....         | (1898) |
| 深宫秽行 .....           | (1901) |
| 临朝执政乱天下——汉高后吕雉 ..... | (1905) |
| 皇后之路 .....           | (1905) |
| 太后吕雉 .....           | (1911) |
| 吕后隐密 .....           | (1914) |
| 孝惠张皇后隐密 .....        | (1916) |
| 使威弄权窦太后 .....        | (1921) |
| 堪为贤妻 难成良母 .....      | (1921) |
| 阴错阳差 一步登天 .....      | (1921) |
| 醋波不兴 旧梦难续 .....      | (1923) |
| 溺儿之心 至死不灭 .....      | (1925) |
| 金屋藏娇痴帝王——陈阿娇 .....   | (1929) |
| 宠辱频仍卫子夫 .....        | (1935) |
| 倾国倾城李夫人 .....        | (1940) |
| 深宫美女赵氏姐妹 .....       | (1947) |



|                   |        |
|-------------------|--------|
| 飞燕外传 .....        | (1958) |
| 赵后遗事 .....        | (1962) |
| 和帝后妃之争 .....      | (1966) |
| 后来居上 .....        | (1966) |
| 以柔克刚 .....        | (1968) |
| 权力的魔杖 .....       | (1971) |
| “洛神”甄夫人 .....     | (1973) |
| 持戟皇后贾南风 .....     | (1985) |
| 晋孝武帝皇后王法慧 .....   | (1995) |
| 冯氏美女与孝文帝 .....    | (1997) |
| 独孤皇后隐密 .....      | (2012) |
| 驭夫有术 .....        | (2012) |
| “无毒不丈夫” .....     | (2014) |
| 血溅仁寿宫 .....       | (2015) |
| 所择非人 .....        | (2018) |
| 嫁鸡随鸡 .....        | (2021) |
| 软弱的抗议 .....       | (2021) |
| 几多享受，几多烦恼 .....   | (2023) |
| 无可奈何花落去 .....     | (2025) |
| 太穆皇后窦氏择婿秘闻 .....  | (2028) |
| 高后武则天轶事 .....     | (2031) |
| 韦后传奇 .....        | (2044) |
| “要学会忍耐” .....     | (2044) |
| 超越君王的权势 .....     | (2046) |
| 天津桥畔黄纸之谜 .....    | (2048) |
| 杀夫而自取败亡 .....     | (2051) |
| 失踪之谜 .....        | (2053) |
| 一代才女上官婉儿 .....    | (2055) |
| 才女婉儿 辅佐则天治国 ..... | (2055) |
| 媚娘退位 婉儿再度得宠 ..... | (2057) |
| 玄宗登基 草菅婉儿性命 ..... | (2058) |
| 杨玉环野史 .....       | (2060) |
| 杨太真外传 .....       | (2060) |
| 长恨歌传 .....        | (2070) |
| 梅妃秘闻 .....        | (2075) |
| 遁入空门的刘皇后 .....    | (2078) |
| 沉鱼落雁 刘氏始入皇宫 ..... | (2078) |
| 棒答生父 玉娘谋得后位 ..... | (2079) |
| 认臣作父 搜刮民脂民膏 ..... | (2081) |



|                   |        |
|-------------------|--------|
| 勾结伶宦 陷害忠臣良将 ..... | (2083) |
| 灌死亲夫 姘逃不得善终 ..... | (2084) |
| 小周皇后隐密 .....      | (2086) |
| 享乐 .....          | (2086) |
| 亡国 .....          | (2088) |
| 红颜薄命徐花蕊 .....     | (2090) |
| 勾结宦官 幼儿东宫 .....   | (2090) |
| 毒死丈夫 卖国揽政 .....   | (2091) |
| 刻诗炫耀 乐极生悲 .....   | (2093) |
| 离恨绵绵费花蕊 .....     | (2095) |
| 红颜命薄两花蕊 .....     | (2095) |
| 离恨绵绵费花蕊 .....     | (2096) |

## 名 臣 名 相

|                 |        |
|-----------------|--------|
| 权倾天下——吕不韦 ..... | (2100) |
| 异人为质 不韦逢机 ..... | (2100) |
| 政治投机 .....      | (2104) |
| 千秋功罪 .....      | (2106) |
| 赵高野史 .....      | (2109) |
| 闾房天子 .....      | (2109) |
| 女婿得力 .....      | (2109) |
| 女儿内助 .....      | (2109) |
| 席见淫秽 .....      | (2110) |
| 赵高弑帝 .....      | (2110) |
| 丽娥侍侧 .....      | (2110) |
| 燕子丹野史 .....     | (2112) |
| 专权弄术——石显 .....  | (2117) |
| 逼杀帝师 .....      | (2117) |
| 蒙蔽视听 .....      | (2119) |
| 清除异己 .....      | (2121) |
| 死有余辜 .....      | (2123) |
| 跋扈将军梁冀 .....    | (2125) |
| 皇亲贵戚 .....      | (2125) |
| 贪婪横行 .....      | (2126) |
| 质帝轻言被弑 .....    | (2129) |
| 权倾朝野 .....      | (2131) |
| 饮鸩自杀 .....      | (2132) |
| 投机钻营——单超 .....  | (2134) |



|                         |        |
|-------------------------|--------|
| 妙除九侯 .....              | (2134) |
| 五侯受封 .....              | (2136) |
| 无恶不作 .....              | (2138) |
| 党锢之祸，文人受摧残 .....        | (2140) |
| 窃权误国——黄皓 .....          | (2142) |
| 献媚取宠 .....              | (2142) |
| 狼狈为奸的闹剧 .....           | (2143) |
| 牵制姜维  害民误国 .....        | (2144) |
| 官场混混——刘腾 .....          | (2148) |
| 秘告皇后 .....              | (2148) |
| 勾结元叉  狼狈为奸 .....        | (2153) |
| 命丧黄泉 .....              | (2155) |
| 名将奸相——杨素 .....          | (2158) |
| 出身名门 .....              | (2158) |
| 媚主取宠  见风使舵 .....        | (2161) |
| 培养自己的势力 .....           | (2163) |
| 弑君矫诏  助广篡权 .....        | (2165) |
| 忧郁而终 .....              | (2167) |
| “赵氏孤儿”悲剧的制造者——屠岸贾 ..... | (2170) |
| 唆使灵公 .....              | (2170) |
| 谋害赵相国 .....             | (2172) |
| 秉性难改  作恶依旧 .....        | (2175) |
| 屠氏终伏诛 .....             | (2177) |
| 路人皆知——司马昭 .....         | (2179) |
| 世代智囊 .....              | (2179) |
| 尽握国权 .....              | (2183) |
| 灭蜀篡逆 .....              | (2185) |
| 窃国大盗——董卓 .....          | (2190) |
| 戎马起家 .....              | (2190) |
| 乘机进京谋废立 .....           | (2195) |
| 祸乱两京害官民 .....           | (2201) |
| 连环计 .....               | (2207) |
| 传奇人物——宗爱 .....          | (2213) |
| 鲜卑的兴起 .....             | (2213) |
| 少年宗爱 .....              | (2215) |
| 权力顶峰 .....              | (2218) |
| 疯狂的毁灭 .....             | (2224) |
| 汉丞相诸葛忠武侯传 .....         | (2235) |
| 口蜜腹剑——李林甫 .....         | (2254) |

|                     |        |
|---------------------|--------|
| 攀附权贵 .....          | (2254) |
| 独揽大权 .....          | (2256) |
| 上下其手 蒙蔽玄宗 .....     | (2258) |
| 妒贤臣暗下毒手 .....       | (2259) |
| 大兴冤狱 .....          | (2262) |
| 最后身败名裂 .....        | (2264) |
| 裙带宰相——杨国忠 .....     | (2268) |
| 小人得志 .....          | (2268) |
| 勾心斗角 .....          | (2271) |
| 擅权乱政 贿赂公行 .....     | (2273) |
| 终于激反安禄山 .....       | (2276) |
| 丧命马嵬坡 .....         | (2279) |
| 掌宦官——程元振 .....      | (2283) |
| 受命刺杀 得到提拔 .....     | (2283) |
| 公公赐妻 .....          | (2286) |
| 青云直上的途径 .....       | (2291) |
| 免官归乡的下场 .....       | (2293) |
| 平步青云——鱼朝恩 .....     | (2296) |
| 典掌军权 .....          | (2296) |
| 阻挠将帅 .....          | (2298) |
| 典掌禁军而后谋陷功臣 .....    | (2300) |
| 仗权行不法 .....         | (2303) |
| 被缢身亡 .....          | (2305) |
| 奴大欺主——李辅国 .....     | (2308) |
| 发迹的马倌 .....         | (2308) |
| 安史之乱带来的机遇 .....     | (2311) |
| 神秘来客将机遇冲走了 .....    | (2314) |
| 因祸得福 .....          | (2319) |
| 恃宠弄权 .....          | (2321) |
| 屠戮后宫 .....          | (2327) |
| 罪恶到了尽头 .....        | (2331) |
| “安史之乱”——安禄山 .....   | (2334) |
| 李泌传 .....           | (2356) |
| 权倾朝野的小太监——仇士良 ..... | (2362) |
| 小太监的追求 .....        | (2362) |
| 恃宠扬威 .....          | (2369) |
| 保驾立功 .....          | (2372) |
| 权倾朝野 .....          | (2375) |
| 武宗的反击 .....         | (2382) |



## 名 妓 名 女

|                     |        |
|---------------------|--------|
| 绿珠情断金谷园 .....       | (2388) |
| 倾城名花姚玉京 .....       | (2392) |
| 妍暖破轻裘 .....         | (2392) |
| 零落成泥碾作尘，只有香如故 ..... | (2397) |
| 薄命红颜苏小小 .....       | (2399) |
| 苏家有女初长成 .....       | (2399) |
| 春色迷人 .....          | (2403) |
| 自古红颜多薄命 .....       | (2405) |
| 莫愁湖畔莫愁女 .....       | (2407) |
| 莫愁啊莫愁 .....         | (2407) |
| 莫愁湖水深千尺 .....       | (2408) |
| 广陵楚雨打琼花——柳琼花 .....  | (2412) |
| 往事不堪回首 .....        | (2412) |
| 受宠淫君隋炀帝 .....       | (2414) |
| 烈女李妹 .....          | (2417) |
| 鱼玄机私密 .....         | (2419) |
| 霍小玉传 .....          | (2423) |
| 莺莺传 .....           | (2429) |
| 杨娼传 .....           | (2435) |
| 绝世佳人谭意哥 .....       | (2436) |
| 粉蝶悄悄促早妆 .....       | (2436) |
| 有情人终成眷属 .....       | (2440) |
| 姑苏太守青娥女——韦芳 .....   | (2442) |
| 流落长沙舞杯妓 .....       | (2442) |
| 他乡遇故知 .....         | (2443) |
| 军营藏娇杨安秀 .....       | (2446) |
| 把酒祝东风，共睹芳容 .....    | (2446) |
| 军营藏娇 .....          | (2446) |
| 妾愿随君 共赴黄泉 .....     | (2447) |
| 从歌伎到嫔妃——永新 .....    | (2449) |
| 入宫 .....            | (2449) |
| 人生得意须尽欢 .....       | (2452) |
| 同是天涯沦落人 .....       | (2453) |
| 临颖美人公孙大娘 .....      | (2455) |
| 剑侠美女 .....          | (2455) |
| 如日中天 .....          | (2457) |



|                      |        |
|----------------------|--------|
| 复得返自然 .....          | (2457) |
| 麻疯玉女褚企兰 .....        | (2459) |
| 舍身忘死，义救情郎 .....      | (2459) |
| 恰逢好心人 .....          | (2461) |
| 残花零落杨莱儿 .....        | (2464) |
| 徘徊久，叹息愁思盈 .....      | (2464) |
| 过尽飞鸿字字愁 .....        | (2467) |
| 风尘痴情女玉箫 .....        | (2470) |
| 沦落风尘 心许情郎 .....      | (2470) |
| 隐入相府 情郎又见 .....      | (2470) |
| 月圆之夜 破镜重圆 .....      | (2473) |
| 将军恩赐 结为夫妻 .....      | (2476) |
| 仕宦才女薛涛 .....         | (2478) |
| 仕宦之女 沦落风尘 .....      | (2478) |
| 落花有意 流水无情 .....      | (2481) |
| 一代才女 被罚赴边 .....      | (2483) |
| 衷情渐消 退隐浣花 .....      | (2486) |
| 唐代侠妓红线女 .....        | (2489) |
| 乱世入烟花 .....          | (2489) |
| 终南学艺 .....           | (2490) |
| 拯救苍生 .....           | (2492) |
| 复归终南 .....           | (2496) |
| 《琵琶行》的女主角——裴兴奴 ..... | (2498) |
| 放荡的妓女 .....          | (2498) |
| 一生的转变 .....          | (2499) |
| 天涯同命鸟 .....          | (2502) |
| 长安名妓柳青娘 .....        | (2504) |
| 长安名妓柳青娘 .....        | (2504) |
| 遇淫将，误入虎口 .....       | (2505) |
| 才子佳人成伴侣 .....        | (2507) |
| 沦落风尘几度春——徐月英 .....   | (2508) |
| 嫁给郭昭述 .....          | (2508) |
| 青楼原系可怜人 .....        | (2509) |
| 终成双飞燕 .....          | (2510) |
| 文坛怨女关盼盼 .....        | (2511) |
| 孤女遭奸 .....           | (2511) |
| 入娼门，委身张建封 .....      | (2512) |
| 上有怨女关盼盼 .....        | (2514) |
| 王福娘削发为尼 .....        | (2517) |



|                     |        |
|---------------------|--------|
| 献身孙荣 .....          | (2517) |
| 心灰意冷 .....          | (2519) |
| 金华烈女刘采春 .....       | (2520) |
| 跳楼沉河 却结连理 .....     | (2520) |
| 波澜乍起 吟诗自绝 .....     | (2521) |
| 《望夫》绕梁 千年不绝 .....   | (2524) |
| 张好好三遇杜侍郎 .....      | (2526) |
| 好好十三 初遇杜牧 .....     | (2526) |
| 再遇杜侍郎 .....         | (2528) |
| 张好好三遇杜侍郎，初效云雨 ..... | (2529) |
| 张好好殉情 .....         | (2530) |
| 吾未成名君未嫁——李云英 .....  | (2532) |
| 情投意合的不羁男女 .....     | (2532) |
| 再续前缘 白头偕老 .....     | (2536) |
| 可怜灼灼成疯女 .....       | (2539) |
| 沦落风尘 .....          | (2539) |
| 钟情裴郎 .....          | (2539) |
| 可怜灼灼成疯女 .....       | (2541) |

## 当 朝 要 案

|                |        |
|----------------|--------|
| 改诏杀兄 .....     | (2544) |
| 衡山王刘赐谋反案 ..... | (2553) |
| 汉宫巫蛊冤案 .....   | (2557) |
| 昌邑王刘贺被废案 ..... | (2565) |
| 以言获罪案 .....    | (2568) |
| 赵广汉被诛案 .....   | (2570) |
| 阴皇后巫蛊案 .....   | (2572) |
| 窦宪谋杀汉和帝案 ..... | (2574) |
| 自辩诽谤案 .....    | (2576) |
| 渤海王刘悝案 .....   | (2578) |
| 蔡邕狱死案 .....    | (2580) |
| 崔琰惨案 .....     | (2582) |
| 孔融弃市案 .....    | (2585) |
| 诬杀大臣案 .....    | (2588) |
| 太子蒙冤案 .....    | (2591) |
| 错斩名将案 .....    | (2596) |
| 范晔案 .....      | (2598) |
| 谢朓案 .....      | (2602) |



|                |        |
|----------------|--------|
| 侯景策反案 .....    | (2605) |
| 少年天子之死案 .....  | (2608) |
| 陈朝冤案 .....     | (2612) |
| 废帝要案 .....     | (2615) |
| 长江漂尸案 .....    | (2617) |
| 隋朝太子蒙冤案 .....  | (2620) |
| 苏威遭诬陷 .....    | (2624) |
| 高颀私通反臣案 .....  | (2626) |
| 太子谋反案 .....    | (2628) |
| 泄露天机案 .....    | (2631) |
| 除逆杀子案 .....    | (2633) |
| 宗室诸王喋血案 .....  | (2635) |
| 人鬼相庆诛国贼案 ..... | (2638) |
| 甘露之变案 .....    | (2642) |
| 李义府案 .....     | (2647) |
| 长孙无忌案 .....    | (2651) |
| 七大臣冤狱案 .....   | (2653) |
| 忠佞同路案 .....    | (2657) |
| 观葬识盗案 .....    | (2660) |
| 换刀擒凶案 .....    | (2661) |
| 借刀杀人案 .....    | (2663) |
| 请君入瓮案 .....    | (2665) |



# 天下一统隋文帝

## 隋文帝夺位秘谋内幕

### 矫制诏书夺天下

民间往往把开国皇帝视为真命天子，其实，他们所以能得天下，半是人为，半是机遇，并非有什么天意所瞩。对于隋文帝杨坚来说，他能创建隋朝，并成为一中国史上有点名气的皇帝，首先是这样一个机遇，周武帝和周宣帝两代皇帝在两年内相继死去，八岁的周静帝身边出现了权力的真空，杨坚得以皇太后之父的外戚身份辅政，在一群野心勃勃的“反覆子”策划下矫诏夺权，得了个轻取天下的便宜。

杨坚的母亲姓吕。据说，杨坚出生时因头上长角，险些被吕氏抛弃，留下一段鲜为人知的秘闻。

吕氏十月怀胎生皇帝于冯翊般若寺内。正巧有个尼姑从河东来，把皇帝抱到别的馆舍亲自抚养。一次，母亲抱起皇帝，忽然见文帝头上长出犄角，浑身起满鱼鳞，大惊失色，把皇帝扔在地上。这时，尼姑从外面进来说道：“你吓着我的儿子了，致使他不能早得天下。”

杨坚活下来了，并成为权贵家族的宠儿。早年周武帝在世时就不放心杨坚，因为他父亲杨忠是西魏府兵大将军，杨忠死后杨坚袭爵隋国公，出身是与北周皇室相伴的关陇军事贵族高门，更兼他“为人龙颜”，风骨不凡，不断有人说他相貌非常，貌有反相，劝周武帝及早除掉。杨坚恐惧不安，收敛锋芒，学当年刘备的韬晦计避祸。

昏暴的周宣帝继位后，杨坚的日子更加难过。他女儿杨皇后曾被赐死，逼令自裁，老伴独孤氏闻讯急忙上殿请罪，叩头流血，苦苦哀求，总算凭她独孤信家的面子救下女儿性命。事后周宣帝还狠狠地威胁杨皇后：“必族灭你家！”有一次又生疑心召杨坚来，事先交代左右，若杨坚脸色不对，立即杀了他。杨坚对质时神色自若，异常镇定，才逃过这次劫难。

杨坚如坐针毡，一心避出京城，托郑译给他谋一地方官的外任。郑译安排他去扬州当



总管，还没赴任，当月就有机会来了。荒淫过度掏空了身子的周宣帝突然病倒，说不出话，来不及交待后事就一命呜呼，仅仅二十二岁便离开了人世。时为大象二年（580年）五月。

他的儿子周静帝年方八岁，因为没留遗诏，辅政的大权成为朝臣们争夺的焦点。郑译和刘昉一伙支持杨坚以外戚身份辅政，伪造诏书，以杨坚总知中外兵马事，先夺兵权。周宣帝的亲信大臣颜之仪拼死相争，坚持要由北周宗室年德最长的赵王辅佐静帝，反对以神器假人。颜之仪知道那诏书是假的，不肯在上面签名。刘昉见他严辞拒绝，便代他签上名字。向诸卫禁军发出这道诏令后，兵权顺利夺到杨坚手中。起初刘昉等谋引杨坚辅政时，杨坚还犹豫过，不敢动，刘昉很不客气地宣称：“你要是干就快来，要是不来我自己干了！”这时手中拿到了兵权，心定下来，下一步准备要改朝换代了。

杨坚还想占卜一下未来，夜召庚季才问天时人事。庚季才摸透了他的心思，说：“我纵使讲不行，你能够再行箕、颖之事吗？”借喻一个古老的故事：据说尧曾经打算把天下让给一个名叫许由的贤人，许由听到后逃进箕山，还在颖水把耳朵洗了又洗，人远远避开了还不算，还要把听到的话也洗掉。杨坚想了想，沉默许久，才对庚季才说：“你讲得很好。”还有那位曾为女儿叩头请命的独孤夫人这时也劝丈夫：“事情到了这一步，你已经骑虎难下，只有干下去了！”夫人真是将门虎女，帮助杨坚横下了一条心。

杨坚这时夺取皇权的障碍是三股势力：北周的宗室，官僚中的反对派和在北边虎视眈眈的突厥。杨坚用武力讨平北周旧臣的三方起兵，用和亲与厚赂安抚突厥，同时与北周宗室在宫廷内外展开了争夺皇权的恶斗。

北周宗室中最有地位人望的是以赵王为首的五位亲王，周宣帝死时他们都在封国闲居，颜之仪孤掌难鸣，未能阻止杨坚夺取军政大权。这时杨坚怕他们在外生事，便以嫁千金公主往突厥为名，征他们入朝。六月，五王都到了长安。此后北周宗室谋杀杨坚的案件迭出不穷，最有戏剧性的是赵王为杨坚摆的鸿门宴。

七月一天，赵王邀杨丞相到自己府上赴宴，宴席有意设置在庭院深深的后院寝室内，赵王的儿子和妻弟佩刀站立左右，室内外暗藏兵刃，埋伏壮士。杨坚的侍从都被挡在院外，只有杨弘、元胄两员心腹武将跟随，坐在寝室门外。酒过三巡，赵王亲自用佩刀扎挑胡瓜，一块块送到杨坚嘴边，是在伺机行刺，气氛骤然紧张。元胄见势不好，赶紧跑进屋去，以相府有事不可久留，拉起杨坚要走。赵王斥责道：“我和丞相有话说，你这是干什么！”命他退出。元胄瞪着眼睛，气呼呼地不吭声，也不走，留在屋里，持刀侍卫。赵王赐酒给他，缓和口气说：“我哪会有恶意，你怎么这样多心？”过一会儿，赵王假装呕吐，往里屋走。元胄猜出他是想溜，伸手拦阻，要赵王回到座上，不让离开。赵王再三假装要吐，都没走成。又称喉干，命元胄去厨房取饮料，想支走元胄，元胄不理睬。

这时滕王到，杨坚走下台阶迎接，元胄上去悄悄耳语，说情形不妙，赶快离开。杨坚还说：“他们没兵马，不要紧的。”元胄讲：“兵马这里用不上，他们先下手就大事去矣。



我不怕死，只怕死了白死。”

重新落座后，元胄听见屋后有动静，是披挂甲胄的声音，立即说：“相府事多，你哪能在这里闲坐。”拉杨坚下座，夺门而走。赵王追过来，被元胄用身体挡住出不了屋，眼巴巴望着杨坚离去。

赵王恨自己没有及早下手，气得用手敲案子，指头弹出血来。这情节差不多是重演了八百年前项羽在坝上给刘邦摆鸿门宴的那一幕。

事后杨坚即以谋反罪将赵王、越王和他们的儿子都杀掉，重重赏赐了元胄。当年又杀陈王、代王和滕王。五王全被诛杀，北周宗室的核心力量被击垮了。

朝官中，拒绝签署伪诏的颜子仪一直不妥协地反对杨坚，当他听说杨坚又索取符玺时，去责问说：“那是天子之物，丞相索要，是何用心？”杨坚将他逐出朝廷，放逐为外官。而手握重兵的并州总管李穆却命儿子李浑将一只熨斗赠给杨坚，捎话说：“愿执威柄以慰安天下”，还送去一副十三环金带，是天子才能用的服饰，表达劝进之意。高颎、李德林也表示不怕灭族，愿以死奉公。这些人成为支持杨坚禅周的中坚力量，并依靠他们的支持，迅速平定了相州（今河南安阳）、郢州（今湖北郢县）、益州（今四川成都）三方起兵。

翌年二月，在庚季才、卢贲等劝进下，完全控制了局面的杨坚，堂而皇之地登上皇帝宝座，周主履行了下诏退位逊居别宫的程式，命大臣奉诏书和皇帝玺绶禅位于隋。在一场以禅让为名、行篡夺之实的宫廷戏中，新的大隋王朝彬彬有礼地开国了。

周静帝逊位后被封为介公。这个不过十岁大的孩子的存在，仍似乎是对隋王朝的威胁，三个月后，隋文帝就将他暗害，又为之举哀，彻底抹去了北周王朝遗留的影痕。

此刻，举国上下几乎是无声无息地接受了杨坚篡位的既成事实，人们只在三位女性同胞那里听到几声并非微弱的反响。

一位是才嫁到突厥去的赵王女儿千金公主，她为宗祀的覆灭，日夜向突厥可汗沙钵略哭诉，请为周室复仇。突厥因而发兵四十万南下，着实给隋文帝找了麻烦。

另一位是新皇帝杨坚的亲生女儿杨丽华，她作为北周的皇太后，起先为其父辅政感到高兴，后来知道父亲有异图，便心中不平，形于言色，最后父亲受禅灭周的做法使她非常愤慨。一个嫁出去的姑娘，哪怕夫君再坏，也不愿意改由父亲当朝，感情立场完全倒向夫家。隋文帝心里也总感到有点愧对这女儿。后来改封她作乐平公主，又要她改嫁，公主发誓不从，要为北周宇文氏守节，父皇拿她真是一点办法也没有。

再一位也是将门虎女，其父上柱国窦毅，其母北周襄阳公主宇文氏。这位窦氏姑娘听到隋主受禅的消息后，倒地痛哭，深深叹息：“恨我不为男子，救舅氏之患！”吓得她爹妈赶快捂住她的嘴说：“别乱讲，要招惹灭族之祸的！”这位血性的女子，后来自己选中武艺高强的李渊为夫婿，是著名的唐太宗李世民的生母。她亡隋的矢志，经由夫君和儿子之手，变成事实。当时谁也不会想到，窦姑娘的那一句话，竟蕴涵着并有意无意地传递出



下一次王朝更迭的第一个消息。隋文帝好不得意地在临光殿登上皇帝宝座时，一个尚不为人所知的女子已代替历史下了要他的新王朝覆灭的决心。

## 生擒陈后主

隋禅北周时，与南朝陈国隔江对峙，隋文帝和周武帝一样，素怀并吞江南之志。开皇元年（公元581年）三月，隋文帝即命贺若弼和韩擒虎两只大将任吴州、庐州总管，在今江苏扬州和安徽合肥筹划灭陈。当年九月曾指派高颍统一指挥各军攻陈。只是为集中全力对付北方的突厥又改变战略部署，在陈宣帝去世时，冠冕堂皇地宣称“礼不伐丧”，暂停南方的军事活动。

经过开皇三、四年的反击和施行离间计的成功，突厥被降服。开皇七年隋廷又废江陵梁国，于是平陈完成统一的最后战事，提到日程上来了。

一向深居简出的隋文帝无意亲征，太子作为国本，不宜轻出，于是次子杨广这位刚二十岁的亲王被委任为统帅，得到了平生第一次崭露头角的机会。

开皇八年（公元588年）三月，隋文帝下诏伐陈。陈后主陈叔宝是个一人后庭数旬不出，荒于酒色不恤政事的昏君，隋文帝表示要应机诛殄，“永清吴越”。十月，晋王杨广被任命为淮南行台尚书令，与秦王杨俊、清河公杨素并为行军元帅，八路大军，五十一万八千人马统归晋王指挥。十一月，皇帝为南征大军饯行，誓师后出发，在西起巴蜀、东至沧海的数千里长江线上发起攻击。

杨广以统帅身份，向陈国执政的尚书令江总发出檄文，论述中国治乱纷争终归统一的历史大势，分析陈国必亡的四个原因，交代了“唯废伪主”，百官归隋可以“身保荣贵”的政策。

陈廷君臣对大军压境的军事政治攻势并不予理会，他们迷恋长江天堑和金陵王气的佑护，依旧挟妓纵酒，赋诗不辍。

开皇九年（公元589年）正月初一，坐镇建康城对岸六合镇桃叶山上的杨广，指挥隋军主力发起总攻，贺若弼、韩擒虎从东西两面包抄，自己麾下人马径直过江，直扑建康。这天陈叔宝竟还照常举行元日朝会，把巡江的船舰都聚拢来向刚归降的萧梁遗民显示军威。入夜，隋军便趁江中无陈军战舰和守江陈军将士醉酒昏睡之机，分三路渡过长江，迅速向建康城合围。军事史上有个耐人寻味的现象，南军北伐多半失利而北军南下却往往成功，这次隋军过江又是一个例证。似乎长江天堑并不偏爱沉溺在秦淮歌舞里的南国政权。

昏庸的陈后主被困在城里一筹莫展，迟疑二十天后又仓促作出出城决战的决定，命十余万陈军在城东一字排开，呈二十里长蛇阵与隋军对抗。开战不过两个回合，隋军便破阵，当天突入城中，占领了陈朝的国都。

慌乱中陈军大将任忠让陈后主备船，称自己要以死奉卫，往上流去投靠陈军余部。陈